महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालयः

देवासमार्गः, उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

दर्शन-सङ्काय
दर्शन-विभाग

आचार्य (अद्वैतवेदान्त)

Programme Code – AC – ADD

एकवार्षिक स्नातकोत्तर पत्रोपाधि परीक्षा पाठ्यक्रम
1-Year Post Graduate Diploma Examination Syllabus

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्चा रूपरेखा
(L.O.C.F)

2025-2026

अणुसङ्केतः – regpsvvmp@rediffmail.com // अन्तर्जालपूटम् - www.mpsvv.ac.in

परीक्षा पाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य.(अद्वैतवेदान्त) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक आचार्य (अद्वैतवेदान्त) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से अद्वैत वेदान्त विषय में चतुर्वार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना –

- एकवार्षिक आचार्य (अद्वैतवेदान्त) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना/ प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना –

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीयाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयाः/टिप्पण्यात्मकाः	5	3	15
3	निबन्धात्मकाः/व्याख्यात्मकाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्			40
योगः				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1.	बहुविकल्पयीय	5	2	10
2.	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3.	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति -

द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैत वेदान्त) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	**GRADE**	**GRADE POINT**	**DESCRIPTION**
> 90%	O	O	Outstanding
> 80%	A+	A+	Excellent
> 70%	A	A	Very Good
> 60%	B+	B+	Good
> 50%	B	B	Above Average
> 40%	C	C	Average
40%	P	P	Pass
< 40%	F	F	Fail
Ab	Ab	Ab	Absent

Equivalent Percentage- CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के ल क्रेडिट् (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट्) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें एटीकेटी प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. **उपलब्ध स्थान** – उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रतयेक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. **शुल्क** – छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।
8. **परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता** – प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक आचार्य अद्वैतवेदान्त की उपाधि प्रदान की जाएगी।
9. **अवधि** – अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को अधिकतम एक वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।
10. **सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन** - छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-11 शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्	5	इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप अथवा सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)	5		
		500	CC-13 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये प्रथमद्वितीयपादौ)	5		
		500	CC-14 भामती (प्रथमसूत्रान्ता)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-21 शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-22 शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)	5		
		500	CC-23 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)	5		
		500	CC-24 भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रा	500	CC-11 शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)	5		
		500	CC-13 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये प्रथमद्वितीयपादौ)	5		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	द्धै	500	CC-14 भामती (प्रथमसूत्रान्ता)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्धै	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्धै	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**
	द्वितीय सत्रार्द्धै	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**

12. पाठ्यक्रम प्रकार

- मुख्य पाठ्यक्रम **(Core Course) CC-** किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।
- **मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC -** मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- **संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM-** ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

- **रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC-** रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।
- **प्रशिक्षुता (Internship)-** इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।
- कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-
  i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप
  ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप
- **शिक्षुता (Apprenticeship) -** शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।
- **सङ्गोष्ठी (Seminar)** – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य.अद्वैतवेदान्त

Acharya Advaita-vedanta Syllabus

(Programme Code – AC-ADD)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग:-अ परिचय:				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program: Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD-ADD 11		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC - 11) शाङ्करभाष्ययुक्ता मुण्डकोपनिषत्		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषय (Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्रों का उपनिषद्गत वैदिक ज्ञान होगा। ● गुरुशिष्य परम्परा विषय में गभीर ज्ञान मिलेगा। ● आत्मज्ञान प्राप्त करने का मार्ग जान पायेंगे। ● छात्रगण कुशल उपदेष्टा कुशल वक्ता हो सकेंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भाग:-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्** – आचार्यपरम्परा, परा और अपरा विद्या का स्वरूप, परविद्याप्रदर्श, अक्षरब्रह्म का विश्वकारणत्व, सृष्टिक्रम, कर्मनिरूपण	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्** – अग्निहोत्रका वर्णन, विधिहीन कर्मका कुफल, अग्नि की सात जिह्वाएँ, विधिवत् अग्निहोत्र से स्वर्गप्राप्ति, ज्ञानरहित कर्म की निन्दा, अविद्याग्रस्त कर्मठों की दुर्दशा, ऐहिक और पारलौकिक भोगों की असारता देखनेवाले पुरुषके लिये संन्यास और गुरूपसदन का विधान, गुरुके लिए उपदेश प्रदान की विधि **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्** – अग्निसे स्फुल्लिङ्गो के समान ब्रह्म से जगत् की उत्पत्ति, ब्रह्म का पारमार्थिक स्वरूप, ब्रह्म का सर्वकारणत्व, सर्वभूतान्तरात्मा ब्रह्म का विश्वरूप, अक्षर पुरुष से चराचर की उत्पत्ति का क्रम, कर्म और उनके साधन भी पुरुषप्रसूत ही हैं, इन्द्रिय विषय इन्द्रियस्थानादि भी ब्रह्मजनित ही हैं, ब्रह्म और जागत् का अभेद तथा ब्रह्मज्ञानसे अविद्या ग्रन्थिका नाश **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्** – ब्रह्म का स्वरूपनिर्देश तथा उसे जाननेके लिए आदेश, ब्रह्म में मनोनिवेश करने का विधान, दृष्टान्त पुरःसर ब्रह्म वेधन की विधि, आत्मसाक्षात्कार के लिये पुनः विधि, ओंकाररूपसे ब्रह्मचिन्तन की विधि, अपर ब्रह्म का वर्णन तथा उसके चिन्तनका प्रकार, ब्रह्मसाक्षात्कार का फल, ब्रह्म का सर्वप्रकाशकत्व, ब्रह्मका सर्वव्यापकत्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता मुण्डकोपनिषत्** – ईश्वरदर्शनसे जीवकी शोकनिवृत्ति, ब्रह्मज्ञ का श्रेष्टत्व, आत्मदर्शन के साधन, सत्य की महिमा, परमपद का स्वरूप, आत्मसाक्षात्कारका असाधारण साधन, आत्मवेत्ताकी पूजा का फल, निष्कामतासे पुनर्जन्मनिवृत्तिः, आत्मदर्शन का साधनत्रय, ज्ञातज्ञेयकी मोक्षप्राप्ति, मोक्षका स्वरूप, विद्याप्रदान की विधि। **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :		
भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1. मुण्डकोपनिषत्। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. मुण्डक-उपनिषद् (भाषाभाष्य तथा विवरणसहित) लेखक – पं. श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (अध्यक्ष – स्वाध्याय-मण्डल, साहित्य-वाचस्पति, गीतालंकार), शिरडी, स्वाध्याय मण्डल

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks)	100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):	40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):	60
समय	**02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**

Any remarks/ Suggestions :

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD- ADD 12		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC - 12) शाङ्करभाष्ययुक्ता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषय (Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● भगवान की उपदेश जान सकेंगे। ● गीता का माहात्म्य ज्ञान होगा। ● महाभारत का युद्धविषयक तथा नीतिविषयक ज्ञान होगा। ● कुशल गीतावाचक के रूप में भविष्य में वृत्तिलाभ होगा।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)** – क्षेत्रक्षेत्रज्ञ स्वरूप, जीवात्मा एवं परमात्मा का ऐक्य, ज्ञानसाधन में गुणवचन **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

02	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)** – अनहंकार तथा वैराग्य का निरूपण, निदिध्यासन, सगुणपरमेश्वर एवं निर्गुण परमेश्वर का ऐक्य **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)** – परमेश्वर का व्यापकत्व, जन्मादिकारणत्व, भगवत्प्राप्ति उपाय **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)** – प्रकृति पुरुष विवेक, ध्यान,ज्ञान एवं कर्मयोग के द्वारा भगवत्प्राप्ति, जगत का उत्पत्तिप्रकार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (त्रयोदशाध्यायः)** – भगवान का सभी में समभावत्व, आत्मा का अकर्तृत्व, मोक्ष का उपाय **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. श्रीमद्भगवद्गीता। शाङ्करभाष्य हिन्दी अनुवादयुक्त। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता। श्रीमच्छङ्करभाष्ययुता। आनन्दगिरिव्याख्या, नीलकण्ठी, भाष्योत्कर्षदीपिका, श्रीधरीयसुबोधिनी, अभिनवगुप्ताचार्यव्याख्या, श्रीमधुसूदनसरस्वतीस्वामिकृतगूढार्थदीपिका, श्रीधर्मदत्तशर्मविरचितगूढार्थतत्त्वालोकव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बई

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग:-अ परिचय:				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program: Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD- ADD 13		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC - 13) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषय (Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● विद्यार्थी परमार्थ तथा उपनिषद्गतवाक्यार्थ को तत्त्वतः जान पायेंगे। ● विद्यार्थिओं का गूढज्ञानार्जने तात्त्विक रूप से वेदार्थपरिष्कारे सहायक होगा। ● जीविका के लिए विद्यार्थियों का बुद्धि परिष्कृत होगा। ● विद्यार्थी कुशल उपदेष्टा एवं कुशल वक्ता हो सकेंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भाग:-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (प्रथमाध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)**	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	जिज्ञासाधिकरण (मोक्ष लाभ के लिए ब्रह्म विचार्य, अध्यास लक्षण, ख्यातिवाद, अथ शब्द विचार, ब्रह्मजिज्ञासा पद का साधुत्व, साधनचतुष्टय, ब्रह्म जिज्ञासा का फल), जन्माद्यधिकरण (ब्रह्म का लक्षण निरूपण, जन्मादिशब्द का अर्थ, ब्रह्म का अनुमानवेद्यत्व श्रुतिवेद्यत्व विषये विचार, ब्रह्म का लक्षणज्ञापक विषयवाक्य) **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (प्रथमाध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)** – शास्त्रयोनित्वाधिकरण (वेदकर्ता ब्रह्म सर्वज्ञ, तृतीयसूत्र का रचना का उद्देश्य, ब्रह्म वेदैक्यगम्य, ब्रह्म शास्त्रप्रमाणज्ञ अनुमानादिगम्य नही है), समन्वयाधिकरणम् (वेदान्त कर्माङ्ग देवतादिबोधक नही, ज्ञेय ब्रह्मबोधक, मोक्ष धर्म का ही फल, मोक्ष जीव का स्वरूप, जीवन्मुक्ति विषयक शास्त्रप्रमाण) **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (प्रथमाध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)** – ईक्षत्यधिकरण – (प्रधान का जगत्कारणता निराकरण, चेतन का जगत्कारणत्वे उपनिषदों का ऐक्यमत्य), आनन्दमयाधिकरण (आनन्दमय उपास्य ब्रह्म, सगुण ब्रह्मबोधक वाक्यों का निर्गुणब्रह्मप्रतिपादने एव तात्पर्य, ब्रह्म आनन्दमयरूप जीव का अधिष्ठान) **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (प्रथमाध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)** – अन्तरधिकरणम् (छान्दोग्ये हिरण्मय पुरुष ईश्वर), आकाशाधिकरण (छान्दोग्ये आकाशशब्द का अर्थ परब्रह्म), प्राणाधिकरण (छान्दोग्ये प्राणशब्द का अर्थ ब्रह्म), ज्योतिश्चरणाधिकरण (छान्दोग्ये परब्रह्म ज्योतिःशब्दवाच्य), प्रातर्दनाधिकरण (परब्रह्म प्राणशब्दबोध्य) सर्वत्रप्रसिद्धाधिकरण (शाण्डिल्यवद्या में ब्रह्म ही उपास्य, परमार्थतः जीव न भोक्ता, मिथ्याज्ञानकृत भोग में ब्रह्म का भोक्तृत्व) **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (प्रथमाध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)** – अभ्रधिकरणम् (ब्रह्म जगत का लयस्थान), गुहाप्रविष्टाधिकरण (हृदये जीव और ईश्वर का अवस्थिति), अन्तराधिकरण (उपकोशलविद्या में ईश्वर उपास्य, उसका छाया नहीं), अन्तर्याम्याधिकरण (ईश्वर ही अन्तर्यामी), अदृश्यत्वाधिकरण (परमेश्वर ही भूतयोनि, न प्रधान, भूतयोनि अक्षर का ब्रह्मत्व), वैश्वानराधिकरण (वैश्वानरविद्या में ईश्वर ही वैश्वानर ब्रह्म)	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। श्रीगोविन्दानन्दकृतभाष्यरत्नप्रभाव्याख्या, वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्या, आनन्दगिरिप्रणीतन्यायनिर्णयव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बाई।
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। भामती-ऋजुप्रकाशका-भाष्यभावप्रकाशिका-प्रदीप-ऋजुविवरण-तत्त्वदीपन-वार्त्तिक-पञ्चपादिका-पञ्चपादिकाविवरण-श्रीकण्ठभाष्य-शिवार्कमणिदीपिकाख्य -एकादशटीकासंयुतम्। सम्पादकः – प्रो. योगेश्वरदत्तशर्मा। नाग प्रकाशकः, ११ ए, यू.ए, जवाहर नगर, दिल्ली।

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समय **02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions	5×3

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्का-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम **Program: Diploma Course**		**कक्षा (Class) :** **आचार्य द्विवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम** **Semester : I**	**सत्र (Session) :** **2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD-ADD 14		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC - 14) भामती (प्रथमसूत्रान्ता)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषय (Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● विद्यार्थियों का शारीरकसूत्रे प्रवृत्ति होगा। ● जीविका के लिए छात्रों का कौशल विकास होगा। ● विद्यार्थी कुशल उपदेष्टा, कुशल वक्ता एवं वेदान्तज्ञ होंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**भामती (प्रथमसूत्रान्ता)** – मङ्गलश्लोक विचार, ग्रन्थारम्भे पूर्वपक्षसिद्धान्तमते अध्यासस्यानुपत्तिशङ्का एवं उसका निरास **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

02	**भामती (प्रथमसूत्रान्ता)**– अध्यासलक्षणविचारः, ख्यातिवादः **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**भामती (प्रथमसूत्रान्ता)**– अध्यासस्य अविद्यकत्वविचारः, अविद्यावद्विषयाणि प्रमाणानि **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**भामती (प्रथमसूत्रान्ता)**– अथशब्दार्थविचारः, अतश्शब्दार्थविचारः, ब्रह्मजिज्ञासायाः पदसार्थक्यम् **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**भामती (प्रथमसूत्रान्ता)**– ज्ञानकर्मसमुच्चयवादः तत्खण्डनम्, ब्रह्मणः विचाराङ्गत्वम्। **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. भामती। लेखकः – वाचस्पतिमिश्रः। शारीरकमीमांसाभाष्यसंयुता। स्वामियोगीन्द्रानन्दनिर्मिता भामतीव्याख्या। चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। श्रीगोविन्दानन्दकृतभाष्यरत्नप्रभाव्याख्या, वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्या, आनन्दगिरिप्रणीतन्यायनिर्णयव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बाई।
3. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीङ्कराचार्यः। भामती-ऋजुप्रकाशिका-भाष्यभावप्रकाशिका-प्रदीप-ऋजुविवरण-तत्त्वदीपन-वार्त्तिक-पञ्चपादिका-पञ्चपादिकाविवरण-श्रीकण्ठभाष्य-शिवार्कमणिदीपिकाख्य -एकादशटीकासंयुतम्। सम्पादकः – प्रो. योगेश्वरदत्तशर्मा। नाग प्रकाशकः, ११ ए, यू. ए, जवाहर नगर, दिल्ली।

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

<table>
<tr><td colspan="3">(Part D – Assessment and Evaluation)</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।
पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समयः: 02:00 होरात्मकः</td></tr>
<tr><td>आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) :
सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):</td><td>कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)</td><td>पूर्णांकः 40</td></tr>
<tr><td rowspan="3">बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section)
समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)</td><td>अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न
Section (A) : 5 Very Short Questions</td><td>5×1</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न
Section (B) : 5 Short Questions
प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)</td><td>5×3</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न
Section (C) : 5 Long Questions
प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)</td><td>5×8
पूर्णाङ्काः-60</td></tr>
<tr><td></td><td>सम्पूर्णाङ्क</td><td>100</td></tr>
<tr><td colspan="3">Any remarks/ Suggestions :</td></tr>
</table>

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य अद्वैतवेदान्त

Acharya Advaita-vedanta Syllabus

(Programme Code – AC-ADD)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD - ADD 21		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 21) शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः (Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	• छात्रों का उपनिषद्गत वैदिक ज्ञान होगा। • उपनिषद्गत सृष्टिप्रक्रिया के विषय में जान पायेंगे। • छात्रगण कुशल उपदेष्टा कुशल वक्ता हो सकेंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्** – सुकेशादियों का गुरूपसत्ति, प्रजा का उत्पत्ति प्रसङ्ग, आदित्य का सर्वाधिष्ठातृत्व, दिन और रात्री का प्रजापतित्व	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्** – उत्तरमार्गावलम्बियों का गति, भार्गवप्रश्न, प्राण का सर्वाश्रयत्व, प्राण का स्तुति **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्** – कौसलप्रश्न, प्राण का उत्पत्ति स्थित और लय, प्राण का इन्द्रियाधिष्ठातृत्व, पञ्च प्राणों का स्थिति, लिङ्गदेह का स्थिति, प्राणोत्कमण का प्रकार, बाह्यप्राणों का निरूपण, मरणकालिक संकल्प का फल **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्** – गार्ग्य का प्रश्न, इन्द्रियों का लयस्थान आत्मा, स्वप्नदर्शन का विवरण, सुषुप्ति का निरूपण, सुषुप्ति में जीव का परमात्म प्राप्ति, अक्षर ब्रह्म, ज्ञान का फल **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता प्रश्नोपनिषत्** – सत्यकाम का प्रश्न, ओंकारोपासना से प्राप्तव्य ब्रह्म, ओंकार का त्रिमात्रत्व, ओंकार के द्वारा प्राप्त लोक, सुकेश का प्रश्न, ईक्षण पूर्व सृष्टि, सृष्टि का क्रम, जगत् का पुरुषाश्रयत्व का प्रतिपादन, मरण दुःख का निवृत्ति में परमात्म ज्ञान का उपयोग, आचार्य का स्तुतिपूर्वक वन्दन **गतिविधियाँ** – पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. प्रश्नोपनिषद्। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचितम् उपनिषद्भाष्यम्। खण्डः २यः। श्रीमदानन्दगर्याचार्यकृतटीका। महेश-अनुसन्धान-संस्थानम्, वाराणसी

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

<table>
<tr><th colspan="3">भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)</th></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।
पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समय 02:00 होरात्मक</td></tr>
<tr><td>आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):</td><td>कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि
(Class Test/Assignment/Presentation)</td><td>पूर्णांक 40</td></tr>
<tr><td rowspan="3">बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section)
समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)</td><td>अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न
Section (A) : 5 Very Short Questions</td><td>5×1</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न
Section (B) : 5 Short Questions
प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)</td><td>5×3</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न
Section (C) : 5 Long Questions
प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)</td><td>5×8
पूर्णाङ्क-60</td></tr>
<tr><td></td><td>सम्पूर्णाङ्क</td><td>100</td></tr>
<tr><td colspan="3">Any remarks/ Suggestions :</td></tr>
</table>

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program: Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD – ADD 22		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 22) शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● भगवान् का उपदेश ज्ञान के लिए पाढाया जाता है। ● छात्रों गीता का माहात्म्य को समझ पायेंगे। ● महाभारत का युद्धविषयक् एवं नीतिविषयक ज्ञान होगा। ● कुशल गीता वाचक के रूप में वृत्तिलाभ हो पायेगा।।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)** – नित्य कर्मों का त्याग, सात्त्विकादि तीन प्रकार का त्याग, कर्मों में अधिष्ठानादि हेतु का स्वरूप	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)** – कर्ममीमांसा, तीन प्रकार के गुण के अनुसार ज्ञान कर्म और कर्ताओं का भेद **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)** – तीन प्रकार गुण के अनुसार धृति बुद्धि का भेद, सुख का स्वरूप **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)** – वर्णाश्रम अनुसार कर्म का भेद, सांख्ययोग के द्वारा नैष्कर्म्य सिद्धि **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता श्रीमद्भगवद्गीता (अष्टादशाध्यायः)** – पराभक्ति के द्वारा भगवत्प्राप्ति, भगवान् में शरणागति **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. श्रीमद्भगवद्गीता। शाङ्करभाष्य हिन्दी -अनुवादसहिता। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता। श्रीमच्छङ्करभाष्ययुता। आनन्दगिरिव्याख्या, नीलकण्ठी, भाष्योत्कर्षदीपिका, श्रीधरीयसुबोधिनी, अभिनवगुप्ताचार्यव्याख्या, श्रीमधुसूदनसरस्वतीस्वामिकृतगूढार्थदीपिका, श्रीधर्मदत्तशर्मविरचितगूढार्थतत्त्वालोकव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बई।Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

<table>
<tr><td colspan="3">(Part D – Assessment and Evaluation)</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।
पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समय 02:00 होरात्मक</td></tr>
<tr><td>आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) :
सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):</td><td>कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि
(Class Test/Assignment/Presentation)</td><td>पूर्णांक 40</td></tr>
<tr><td rowspan="3">बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section)
समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)</td><td>अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न
Section (A) : 5 Very Short Questions</td><td>5×1</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न
Section (B) : 5 Short Questions
प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)</td><td>5×3</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न
Section (C) : 5 Long Questions
प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)</td><td>5×8
पूर्णाङ्का - 60</td></tr>
<tr><td></td><td>सम्पूर्णाङ्क</td><td>100</td></tr>
<tr><td colspan="3">Any remarks/ Suggestions :</td></tr>
</table>

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program: Diploma Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester :II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD – ADD 23		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 23) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● वेदवाक्यों का न्यायपूर्वक सामञ्जस्य होगा। ● छात्र परमार्थ विषयक एवं उपनिषद्वाक्यो का अर्थ सही तरिके से जान पाते है। ● जीविका के लिए बुद्धि का विकास होता है। ● छात्र कुशल उपदेष्टा कुशलवक्ता होंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)** –निर्विशेष ब्रह्म का जगदधिष्ठातृत्व, ब्रह्म का भूमात्व, अक्षर ब्रह्म, ओंकारोपासना में पर ब्रह्म का ध्येयत्व	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)** – ब्रह्म का दहराकाशत्व, ब्रह्म का जगत्प्रकाशत्व, अङ्गुष्टमात्र पुरुषा का परमात्मत्व, निर्गुण ब्रह्म विद्या में देवों का अधिकार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)** – स्मार्तब्रह्मविद्या में शूद्र का अधिकार, प्राणरूप ब्रह्म, परमज्योति रूप ब्रह्म, आकाश शब्द ब्रह्म बोधक, जीवाभिन्नब्रह्मबोधन **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)** – कारणावस्था में स्थूलशरीर का अव्यक्तत्व, मायारूप श्रौती प्रकृति अजा है, पञ्चजनशब्दों से प्राणादियों का ग्रहण, जगत्कारणताबोधक वेदान्तवाक्यों का ब्रह्म में समन्वय **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (प्रथमाध्याये तृतीयचतुर्थपादौ)** – सृष्टि विषयक वेदान्त वाक्यों का अविरोध, जगत्कारण ईश्वर का ज्ञेयत्व, जीवाभीन्न ब्रह्म मैत्रेयीब्राह्मण में प्रतिपाद्य, ब्रह्म जगत् का अभिन्ननिमित्त उपादान कारण है, परमाणुओं का जगत्कारणत्व निराकरण **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। श्रीगोविन्दानन्दकृतभाष्यरत्नप्रभाव्याख्या, वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्या, आनन्दगिरिप्रणीतन्यायनिर्णयव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बाई।
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। भामती-ऋजुप्रकाशिका-भाष्यभावप्रकाशिका-प्रदीप-ऋजुविवरण-तत्त्वजीवन-वार्त्तिक-पञ्चपादिका-पञ्चपादिकाविवरण-श्रीकण्ठभाष्य-शिवार्कमणिदीपिकाख्यैकादशटीकासंयुतम्। सम्पादकः – प्रो योगेश्वरदत्तशर्मा। नाग प्रकाशकः, ११ ए. यू. ए, जवाहर नगर, दिल्ली।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggestive digital platforms/web links		
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:) 1. https://advaitasharada.sringeri.net/ 2. https://nsktu.ac.in/ 3. https://swayam.gov.in/		
भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी। पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100 **सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60 **समय** **02:00 होरात्मक**		
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः			
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program: Diploma Course	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन			

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGD – ADD 24	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 24) भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्रों का न्याय शैली में वेदान्तविषयक ज्ञान हो पायेगा। ● जीविका के लिए छात्रों का कौशल का विकास होगा। ● छात्र कुशल उपदेष्टा और कुशल वक्ता हो पायेंगे।	
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्	
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)** – ब्रह्म लक्षण विचार, एक ब्रह्म का ही उपादान एवं निमित्त कारणत्व प्रतिपादन, ईश्वर का अनुमान विचार	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)** – ब्रह्म वेदप्रमाणकत्व, ब्रह्म का वेदैकगम्यत्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)** – ब्रह्म में वेदान्त का समन्वय, कार्यार्थत्व विचार, ब्रह्म का प्रतिपत्तिविधिविषयत्व शङ्का एवं उसका निराकरण, कूटस्थ का नित्यत्व अनित्यत्व विचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)** – ज्ञान का विचार, मोक्ष का उत्पाद्यत्वादि विचार, पुरुष का औपनिषदत्व, ब्रह्म का अविनाशित्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**भामती (द्वितीयतृतीयचतुर्थसूत्रान्ता)** – कर्मावबोधमात्र में वेद का तात्पर्य, वेदान्त में सिद्धार्थोपदेश, निषेधवाक्यों में कार्य का अभाव, देहादि में आत्माभिमान गौण, जीवों का अशरीरत्व, उपनिषदों का आत्मतत्त्वप्रतिपादकत्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. भामती। लेखकः – वाचस्पतिमिश्रः। शारीरकमीमांसाभाष्यसंयुता। स्वामियोगीन्द्रानन्दनिर्मिता भामतीव्याख्या। चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। श्रीगोविन्दानन्दकृतभाष्यरत्नप्रभाव्याख्या, वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्या, आनन्दगिरिप्रणीतन्यायनिर्णयव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बाई।
3. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीङ्कराचार्यः। भामती-ऋजुप्रकाशिका-भाष्यभावप्रकाशिका-प्रदीप-ऋजुविवरण-तत्त्वजीपन-वार्त्तिक-पञ्चपादिका-पञ्चपादिकाविवरण-श्रीकण्ठभाष्य-शिवार्कमणिदीपिकाख्यैकादशटीकासंयुतम्। सम्पादकः – प्रो. योगेश्वरदत्तशर्मा। नाग प्रकाशकः, ११ ए, यू. ए, जवाहर नगर, दिल्ली।Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

3. https://swayam.gov.in/		
भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी। पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100 **सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60 **समय** **02:00 होरात्मक**		
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)